

**कुरंडक** पुं. (तत्.) पीली कटसरैया।

**कुरआन** पुं. (अर.) दे. कुरान।

**कुरकी** स्त्री. (तत्.) दे. 'कुर्की'।

**कुरकुट** पुं. (तद्.) 1. मुर्गा 2. मुर्गे की बोली 3. किसी वस्तु का छोटा टुकड़ा।

**कुरकुटा** पुं. (देश.) 1. किसी वस्तु का कूटा हुआ रवा, टुकड़ा 2. रोटी का टुकड़ा।

**कुरकुरा** वि. (देश.) सिंकी या तली भुनी हुई ऐसी चीज जिसे तोड़ने या खाने पर 'कुरकुर' की आवाज आती है।

**कुरखेत** पुं. (तद्.) वह खेत जिसकी जुताई हो गई हो किंतु बुवाई न हुई हो।

**कुरगरा** पुं. (देश.) एक छोटी थापी जिससे कारनिस आदि का बारीक काम किया जाता है।

**कुरचिल्ल** पुं. (तत्.) केकड़ा।

**कुरट** पुं. (तत्.) 1. चमड़ा बेचनेवाला 2. जूते बनानेवाला, चर्मकार।

**कुरता** स्त्री. (तु.) कमीज की तरह का एक ढीला पहनावा।

**कुरती** स्त्री. (देश.) 1. स्त्रियों का एक पहनावा जिसमें आगे बटन लगे रहते हैं 2. कुरता का लघु रूप 3. सुनारों की बोली में, स्त्री।

**कुरबक** पुं. (तत्.) 1. कुरैया का वृक्ष और उसके लाल फूल, कुरव 2. एक काँटेदार क्षुप।

**कुरबान** वि. (अर.) किसी उद्देश्य से किसी देवता आदि के लिए दी गई जीव या पशु की बलि 1. जो न्यौछावर किया गया हो 2. न्यौछावर, निसार 3. बलि मुहा. कुरबान करना-न्यौछावर करना, कुरबान होना- न्यौछावर होना, मारना, प्राण देना।

**कुरबानी** स्त्री. (अ.) 1. किसी देवता आदि के लिए जीव को बलिदान करने की क्रिया, कुरबान करने का काम 2. आत्मत्याग 3. त्याग, स्वार्थत्याग।

**कुरमुराना** अ.क्रि. (अनु.) कुर-कुर करना, गतिशील होना।

**कुरर** पुं. (तत्.) 1. गिद्ध की गति का एक पक्षी जिसके लाल पाँव, लंबी चोंच तथा वह जलतट में रहती है 2. कराँकुल, क्राँच।

**कुररी** स्त्री. (तत्.) 1. आर्या छंद का एक भेद जिसमें चार गुरु और उनचास लघु होते हैं 2. कुररा का स्त्रीलिंग रूप, क्राँची।

**कुरल** पुं. (तत्.) 1. क्राँच पक्षी 2. बाज पक्षी 3. कुंचित केश, घुँघराले बाल 4. मद्रास के निकट मयलापुरम् में जन्म लेनेवाले संत कवि तिरुवल्लुवर रचित तमिल का धर्मनीति शास्त्र ग्रंथ जो तमिलवेद नाम से प्रसिद्ध है।

**कुरला** पुं. (देश.) 1. खेल, क्रीड़ा 2. कुल्ला।

**कुरव** पुं. (तत्.) 1. एक वृक्ष जिसके फूल लाल होते हैं, लाल फूल की कटसरैया, लाल कुरैया, कुरबक, मडुवा 2. सफेदजमदार, आक 3. सियार 4. कर्णकटु शब्द, कर्कश स्वर।

**कुरव** वि. (तत्.) कर्कश, कटु शब्द, करनेवाला।

**कुरसथ** पुं. (देश.) एक प्रकार की मैली खांड।

**कुरसा** पुं. (देश.) 1. एक प्रकार के वृक्ष की लकड़ी जो मकान और पुल बनाने के काम आती है। यह प्रायः कुमाऊँ, नीलगिरि, बंगाल, आसाम में होती है 2. जंगली गोभी।

**कुरसी** स्त्री. (अर.) 1. एक व्यक्ति के बैठने का ऊँचे पाये का आसन जिसमें पीछे की ओर सहारे के लिए पटरी सी लगी होती है, किसी-किसी में हाथों के सहारे के लिए बाजू भी होते हैं यौ. आराम कुरसी-एक प्रकार की बड़ी कुरसी जिस पर आदमी लेट सकता है 2. इमारत की सतह ऊँची करने के लिए बनाया गया चबूतरा, पीढ़ी, पुश्त 3. डोगियों में दोनों ओर बनी हुई बैठने की जगह 4. वह चौकोर ताबीज जो हुमेल के बीच में रहती है, चौकी, उखती 5. नाव के किनारे की तख्तबंदी 6. जहाज के ऊपर की आड़ी तिरछी लकड़ियाँ जिन पर मल्लाह पाल की रस्सियाँ कसते हैं 7. नाव की लंबाई में आरोहियों के बैठने के लिए पट्टियों का चौरस स्थान।